TEACHING AND EXAMINATION SCHEME

Second Examination in Law (TDC)

Written Papers		L	T/P	Exam. Hours	Marks
Law 201	Jurisprudence	3		3	100
Law 202	Law of Crimes	3		3	100
Law 203	Criminal Procedure Code Juvenile Justice and Law of Probation	3		3	100
Law 204	Family Law II (Mohammedan Law)	3		3	100
Law 205	Administrative Law	3		3	100
Law 206	Company Law	3		3	100
Law 207	Labour Laws	3		3	100
Law 208	Optional Subjects (any one) (a) Law of Taxation Income Tax and Wealth Tax (b) Criminology & Penology (c) Banking Law and Negotiable Instrument Act	3		3	100
Law 209	Public Interest Lawyering Legal Aid and Para Legal Services	3	2	4	Th. 40 Pr. 60
				27	900

1-Stands for LL.B. Part II Year TDC
01-Stands for First Paper; 02 stands for Second Paper and so on
L-Stands for Lecture of 55 minutes
T-Stands for Tutorials
P-Stands for Tutorials
For a pass, a candidate must obtain :
(a) 36 percent marks in each written, practical/viva-voce paper, and (b) 48 percent marks in aggregate.

Second Examination in Law

PAPER I

JURISPRUDENCE

Note: (i) The Syllabus has been divided into five units. Questions will be set from each unit with provision for internal choice.

(ii) In order to ensure that students do not leave out important portions of the syllabus, examiners shall be free to repeat the questions set in the previous examination.

(iii) In the case of discrepancies between English and Hindi Version. English Version will prevail.

Unit 1 : Jurisprudence: Definition, Nature and Scope: (i) Importance of Jurisprudence (ii) Schools of Jurisprudence : Analytical School-Austin, Kelsen and Hart

Unit 2: Historical School: Savigny and Henery Maine, Sociological School : Ihering, Duguit, Roscoe Pound, American Realism: Holmes, Llewellyin. Frank Natural Law School : Kant and New Kantian theories, Relation between Law & Morality

Unit 3 : Nature, definition and sources of Law : Source of Law, Custom; Importance of custom, Theories of customary law; Precedent: kinds, ratio decidendi; obiter dicta, Declaratory theory of precedent, Judge made law-theory; Legislation : kinds, comparison between Legislation and other sources of law

Unit 4: Ownership and possession: Meaning of ownership; kinds, Definition of ownership by Austin and Salmond; relation between ownership and possession, Importance of Possession, Elements of corporeal possession; problems; Theories of possessionSalmond, Savigny etc.

Person: Nature of personality, kinds; corporate personality; and its kinds; theories of corporate personality; problems; who are legal persons and who are not?

Unit 5 : Liability : Nature of Liability, Elements-Motive; Intention (Mens rea), Negligence : subjective and objective theories of Negligence

Administration of Justice; Theories of punishment, Capital punishment

Rights and Duties: Nature of Rights and Duties; Correlation of Rights and Duties, Kinds of Rights and Duties

विधि द्वितीय वर्ष प्रथम

प्रश्न–पत्र

विधि शास्त्र

टिप्पणी : (1) पाठ्यक्रम को पांच इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में से आन्तरिक विकल्प ;प्दजमतदंस बेवपबमद्ध के साथ प्रश्न पूछे जाएगे।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रम के महत्वूपर्ण अंशों को छोड़ न दे, परीक्षक पूर्व वर्ष की परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।

(3) अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद में विरोधाभास होने पर अंग्रेजी अनुवाद अधिमान्य होगा।

इकाई 1: विधि शास्त्र : परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र : ;पद्ध विधि शास्त्र का महत्व ;पपद्ध विधि शास्त्र की शाखाएं : विश्लेषणात्मक विचारधारा – ऑस्टिन, केल्सिन एवं हार्ट।

इकाई 2: ऐतिहासिक विचारधारा : सेविग्नी एवं हेनरी मेन समाजशास्त्रीय विचारधारा : ईहरिंग, डिग्विट, रास्कोपाउण्ड, अमेरिकन यथार्थवाद : होम्स, लेवेलिन, फ्रेंक, प्राकृतिक विधि विचारधारा : काण्ट एवं नवीन काण्टीयन सिद्धान्त, विधि एवं नैतिकता में सम्बन्ध

इकाई 3: विधि की परिभाषा, प्रकृति एवं स्रोत, प्रथा : प्रथा का महत्व, प्रथागत विधि के सिद्धान्त : न्यायायिक पूर्व निर्णय : प्रकार, निर्णयाधार, प्रासंगिक कथन, पूर्व निर्णय का घोषणात्मक सिद्धांत, न्यायाधीशों द्वारा विधि निर्माण का सिद्धांत : विधायन : प्रकार, विधायन एवं विधि के अन्य स्रोतों के बीच तुलना।

इकाई 4: स्वामित्व एवं कब्जा : स्वामित्व का अर्थ : प्रकार, ऑस्टिन एवं सामण्ड के द्वारा दी गई स्वामित्व की परिभाषा : स्वामित्व एवं कब्जे के मध्य सम्बंध, कब्जे का महत्व, मूर्त कब्जे के तत्व : समस्याएं : कब्जे के सिद्धान्त–सामण्ड, सेविग्नी इत्यादि।
व्यक्ति : व्यक्तितत्व की प्रकृति, प्रकार : निगमित व्यक्तित्व एवं इसके प्रकार : निगमित व्यक्तितत्व के सिद्धांत, समस्याएं : कौन विधिक व्यक्ति है और कौन नही?

इकाई 5: दायित्व : दायित्व की प्रकृति, आवश्यक तत्व–हेतु, आशय मनःस्थिति, असावधानी : असावधानी के व्यक्तिपरक एवं वस्तुपरक सिद्धांत।
न्याय प्रशासन : दण्ड के सिद्धांत, मृत्यु दण्ड। अधिकार एवं कर्तव्य। अधिकार एवं कर्तव्यों की प्रकृति : अधिकारों एवं कर्तव्यों का पारस्परिक संबंध, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रकार।

BOOKS RECOMMENDED

Salmond : Jurisprudence Dias : Jurisprudence

Dhyani, S.N. : Jurisprudence-A Study in Indian Legal Theory Mahajan,

V.D. : Jurisprudence and Legal Theory

Agarwal, Nomita : Jurisprudence Dr. Paranjape : Vidhi Shastra Singh Iuderjeet : Vidhi Shastra

Tripathi, V.N. : Vidhi Shastra

PAPER II

LAW OF CRIMES

Note: (i) The syllabus has been divided into five units. Questions will be set from each unit with provision for internal choice.

(ii) In order to ensure that students do not leave out important portions of the syllabus, examiners shall be free to repeat the questions set in the previous examination.

(iii) Leading cases prescribed under this paper may be read under the respective unit No. shown against each case.

(iv) Wherever there are separate provisions prescribing quantum of punishment in I.P.C. they may be deemed to have been omitted from the course contents.

(iv) In the case of discrepancies between English and Hindi Version, English Version will prevail.

Unit 1 :General concepts : Definition of Crime, Constituent of Crime, Territorial jurisdiction of I.P.C. (Ss. 1-5). Stages of Crime : Doctrine of Mens rea, Preparation and Attempt;

General Explanation : Public servant, movable property, wrongful gain and wrongful loss. Dishonestly Fraudulently, Reasons to believe, Counterfeit, Valuable Security, 'act' and `omission' voluntarily, Good faith, illegal, injury, offence, Document, Harbour, Judge

Unit 2 :General Exceptions (A) : Mistake of facts, Mistake of law, Accident, act done without criminal intention and to prevent other harm, act of child, act of person of unsound mind, act of intoxicated person

General Exceptions (B) : Judicial acts, acts done with consent, and done in good faith without consent, communication made in good faith, acts done under compulsion, act causing slight harm; Right of private defence, commencement and continuance of right of private defence

Unit 3: Joint and constructive liability : Common intention, common object, Abetment, Criminal conspiracy : Offences affecting Public peace and State authorities, unlawful assembly, Riot, affray, giving false evidence, fabricating false evidence Sedition (S. 124 A). Public nuisance (S.268)

Unit4: Offences affecting the Human Body; Culpable homicide, Murder, Criminal negligence and rashness, Attempt to commit murder and suicide, Miscarriage, Hurt, Grievous hurt, Voluntarily causing hurt and grievous hurt Wrongful restraint and wrongful confinement, Force and Criminal force, Assault, Kidnapping and Abduction

Unit 5: (a) Offences against property: Theft, Extortion, Robbery, Dacoity, criminal misappropriation of property, criminal breach of trust, stolen property, cheating, mischief, criminal trespass, lurking house trespass, House breaking

(b) Offence relating to document: Forgery, Making a false document

(c) Offence relating to Sex and Marriage: Rape. Unnatural Offences, Adultery, Bigamy,

(d) Offence affecting personal peace and reputation: Defamation, Criminal intimidation, Criminal insult

द्वितीय प्रश्न–पत्र

आपराधिक विधि

टिप्पणी : (1) पाठ्यक्रम को पांच इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में से आन्तरिक विकल्प (Internal Choice) के साथ प्रश्न पूछे जाएगे।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रम के महत्वूपर्ण अंशों को छोड़ न दे, परीक्षक पूर्व वर्ष की परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।

(3) इस प्रश्न–पत्र में विहित निदेशक वाद उसी इकाई के अन्तर्गत समझे जाऐंगे जिनका क्रमांक उनके आगे प्रदर्शित है।

(4) जहां कही भी भारतीय दण्ड संहिता में दण्ड की मात्रा को विहित करने वाले पृथक प्रावधान है उन्हें पाठ्यक्रम की विषय वस्तु से बाहर समझा जाएगा।

(5) अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद में विरोधाभास होने पर अंग्रेजी अनुवाद अधिमान्य होगा।

इकाई 1: सामान्य अवधारणाएं : अपराध की परिभाषाएं, अपराध के घटक, भारतीय दण्ड संहिता का प्रादेशिक क्षेत्राधिकार (धारा1–5), अपराध की अवस्थाएं : अपराधिक आशय का सिद्धांत, तैयारी, प्रयत्न : सामान्य व्याख्याएं : लोक सेवक, चल सम्पत्ति, सदोष लाभ एवं सदोष हानि, बेईमानी पूर्वक, कपट पूर्वक, विश्वास का कारण, कूटकृत, मूल्यवान प्रतिभूति, कार्य एवं चूक, स्वेच्छा पूर्वक, सद्विश्वास, अवैध, क्षति, अपराध, दस्तावेज, बन्दरगाह, न्यायाधीश।

इकाई 2: सामान्य अपवाद

(अ) तथ्य की भूल, विधि की भूल, दुर्घटना बिना अपराधिक आशय के तथा अन्य हानि को रोकने के लिए किया गया कार्य, बच्चों के कार्य, अस्वस्थ मस्तिष्क के व्यक्तियों के कार्य मत्त व्यक्तियों के कार्य।

(ब) न्यायिक कार्य, सहमति के साथ किए गए कार्य एवं बिना सहमति के साद्भाव में किए गए कार्य, सद्भाव में की गई संसूचनाएं, दबाव में किए गए कार्य, तुच्छ हानि कारित करने वाले कार्य निजी सुरक्षा का अधिकार, निजी सुरक्षा के अधिकार प्रारम्भ एवं बने रहना।

इकाई 3: संयुक्त एवं गर्भित दायित्व : सामान्य आशय, सामान्य उद्धेश्य, दुष्प्रेरण, आपराधिक षडयंत्र : लोक शांति एवं राज्य प्राधिकारियों का प्रभावित करने वाले अपराध, विधि विरुद्ध सभा, बलवा, दंगा, झूठा साक्ष्य देना, झूठा साक्ष्य गढ़ना, राजद्रोह (धारा 124 क) लोक उपताप (धारा 268)।

इकाई 4: मानव शरीर को प्रभावित करने वाले अपराध : आपराधिक मानव वध, हत्या, आपराधिक असावधानी एवं उतावलापन, हत्या एवं आत्महत्या करने का प्रयास, गर्भपात, उपहति, गम्भीर उपहति, स्वेच्छा पूर्वक उपहति एवं गम्भीर उपहति कारित करना, सदोष अवरोध एवं सदोष परिरोध, बल एवं अपराधिक बल, आक्रमण, अपहरण एवं व्यपहरण।

इकाई 5: (अ) सम्पत्ति के विरुद्ध अपराध : चोरी, उद्यापन, लूट, डकैती, सम्पत्ति का आपराधिक दुर्विनियोग, आपराधिक न्यासभंग, चुराई हुई सम्पत्ति, धोखा, रिष्टि, आपराधिक अतिचार, प्रचछन्न गृह अतिसार, गृह भेदन।

(ब) दस्तावेजों से सम्बन्धित अपराध : कूटरचना, झूठे दस्तावेज बनाना।

(स) वैवाहिक एवं लिंग से सम्बन्धित अपराध : बलात्कार, अप्राकृतिक अपराध, जारता, द्विविवाह एवं

(द) व्यक्तिगत शान्ति एवं सम्मान को प्रभावित करने वाले अपराधः मानहानि, आपराधिक अभित्रास, आपराधिक अपमान।

LEADING CASES **Unit No.**

l. K.N. Mehra v. State of Rajasthan, AIR 1957 SC 369 5
2. Karnail Singh v. State of Rajasthan. AIR 1955 SC 204 4
3. Bachhan Singh v. State of Punjab, AIR 1980 SC 898 4
4. Amazad v. State, A1R 1953 SC 165 2
5. Reg. v. Govinda, (1876) ILR I Bombay, 342 4
6. K.M. Nanavati v. State of Bombay, AIR 1962 SC 605 4
7. Tapti Prasad v. Emperor. AIR 1918 Al1429 4 8. R.V Mec Naughten,(1843)4St.Tr.N.S.84710 CI and F. 200, 204, Oxford (1840) 8 C and P 525 2 9. Mahboob Shah v. King Emperor (1946) 721.A. 148:

   AIR 1943 PC 118 3
10. Emp. v. Vinayk Savarkar (1910) 13 Bombay, LR 296 1

BOOKS RECOMMENDED

Ratanlal : The Indian Penal Code (Students edition)

Gaur, K.D. : Criminal Law, Cases and Material

Bhattacharya T. : The Indian Penal Code

Gour, H.S. : The Penal Law of India

Singh, Jaipal : The Indian Penal Code

Saxena, R.N. : The Indian Penal Code

चतुर्वेदी मुरलीधर : भारतीय दण्ड संहिता

टंडन, एम.पी.: भारतीय दंड संहिता चौधरी

डी.एस.: भारतीय दंड संहिता वावेल

बसंतीलाल : भारतीय दंड संहिता

PAPER III

CRIMINAL PROCEDURE CODE JUVENILE JUSTICE AND LAW OF PROBATION

Note: (i) The syllabus has been divided into five units. Questions will be set from each unit with provision for internal choice.

(ii) In order to ensure that students do not leave out important portions of the syllabus, examiners shall be free to repeat the questions set in the previous examination.

(iii) Leading cases prescribed under this paper may be read under the respective unit No. shown against each case.

(iv) In the case of discrepancies between English and Hindi Version, English Version will prevail.

Unit 1: The Criminal Procedure Code : Definitions-

Bailable offence, Non-bailable offence, Charge, Cognizable offence, Non-cognizable offence, Complaint, High Court, Enquiry, Investigation and Judicial proceeding (trial), local jurisdiction metropolitan area, Offence, Officer, incharge of Police Station, Police report, public prosecutor, Summons case and Warrant case

GENERAL :

(a) Territorial division and classification (Chapter II, Omitting Ss. 10, 14, 15, 19,22 and 23)
(b) Powers (Chapter III, Ss. 26 to 31)
(c) Process to compel appearance (Chapter VI)
(d) Process to compel production of things (Chapter VII, ; 91to 101)
(e) Arrest of persons (Chapter V)
(f) Information to the Police and their powers of investigation (Chapter XII)

Unit 2: (a) Bail (Chapter XXXIII)
(b) Security for keeping peace and for Good behaviour (Chapter VIII), and
(c) Maintenance of Public Order and Tranquility (Chapter X) Jurisdiction of the Criminal Courts in inquiries and trial (Chapter XIII), Complaints to Magistrates and Cognizance of offence (Chapter XV and XIV)

Unit 3: (a) Charge (Chapter XVIII)
(b) Maintenance of Wives, Children and Parents (Chapter IX)
(c) Types of Trials:
(i) Trial before Court of Session (Chapter XVIII)
(ii) Trial of Warrant Cases by Magistrates (Chapter XIX)
(iii) Trial of Summons Cases by Magistrates (Chapter XX)
(iv) Summary Trials (Chapter XXI)

Unit 4: (a) Judgement (Chapter XXVII)
(b) Appeal (Chapter XXIX)
(c) References and Revision (Chapter XXX)
(d) Miscellaneous Provisions:
(i) Period of Limitation (Chapter XXXVI)
(ii) Irregular Proceedings (Chapter XXXV)
(iii) Autrifois acquit and Autrofois convict (S.300)
(iv) Pardon to an accomplice (Ss. 306, 307, 308), and
(v) Savings and inherent powers of High Court (s. 482)

Unit 5: (a) The Juvenile Justice (Care & Protection of children) Act, 2000
Definition: Juvenile Justice Board, Juvenile Justice Committee-Composition and functions. Appeal and revision Rehabilitation of child,
(b) The probation of Offenders Act, 1958: Definitions Powers of Courts, Sureties, Duties of Probation Officers

तृतीय

प्रश्न–पत्र

दण्ड प्रक्रिया संहिता किशोर न्याय एवं परिवीक्षा विधि

टिप्पणी : (1) पाठ्यक्रम को पांच इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में से आन्तरिक विकल्प (Internal Choice) के साथ प्रश्न पूछे जाएगे।
(2) यह सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रम के महत्वूपर्ण अंशों को छोड़ न दे, परीक्षक पूर्व वर्ष की परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।
(3) इस प्रश्नपत्र में विहित निदेशक वाद उसी इकाई के अन्तर्गत समझे जाऐंगे जिनका क्रमांक उनके आगे प्रदर्शित है।
(4) अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद में विरोधाभास होने पर अंग्रेजी अनुवाद अधिमान्य होगा।

इकाई 1: दण्ड प्रक्रिया संहिता :
परिभाषाएँ :
जमानती अपराध, अजमानतीय अपराध, आरोप, संज्ञेय अपराध, असंज्ञेय अपराध, परिवाद उच्च न्यायालय, जाँच, अन्वेषण एवं न्यायिक कार्यवाही (विचारण), स्थानीय क्षेत्राधिकार, महानगर क्षेत्र, अपराध, पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी, पुलिस रिपोर्ट, लोक अभियोजक, समन मामला एवं वारण्ट मामला।

सामान्य :
(अ) क्षेत्रीय विभाजन एवं वर्गीकरण (अध्याय II धारा 10, 14, 15, 19, 22 और 23 को छोड़कर)
(ब) शक्तियां : (अध्याय III धाराएं 26 से 31)
(स) प्रस्तुत होने के लिए बाध्य करने हेतु आदेशिकाएं(अध्याय VI)
(द) प्रस्तुत होने के लिए बाध्य करने हेतु आदेशिकाएं (अध्याय VII धाराए 91 से 101)
(य) व्यक्तियों की गिरफ्तारी (अधयाय V)
(र) पुलिस को सूचना एव उनकी अन्वेषणकी शक्तियां(अध्याय XII)

इकाई 2: (अ) जमानत (अध्याय XXXIII)
(ब) शान्ति बनाए रखने एवं अच्छे आचरण के लिए प्रतिभूति (अध्याय VIII) एवं
(स) लोक व्यवस्था एवं परिशान्ति बनाए रखने (अध्याय X) जांच एवं विचारण में आपराधिक न्यायालयों का

क्षेत्राधिकार (अध्याय XIII) मजिस्ट्रेट को परिवाद एवं अपराधों का संज्ञान (अध्याय XV और XVI)

इकाई 3: (अ) आरोप (अध्याय XVII)
(ब) पत्नि बच्चों एवं माता–पिता का भरण–पोषण (अध्याय IX) (स) विचारण के प्रकार
(i) सत्र न्यायालय के समक्ष विचारण (अध्याय XVIII)
(ii) मजिस्ट्रेट द्वारा वारंट मामलों का विचारण (अध्याय XIX)
(iii) समन मामलों का मजिस्ट्रेट द्वारा विचारण (अध्याय XX)
(iv) संक्षिप्त विचारण (अध्याय XXI)

इकाई 4: (अ) निर्णय (अध्याय XXVII)
(ब) अपील (अध्याय XXIX)
(स) निर्देश एवं पुर्नरीक्षण (अध्याय XXX) (द) विविध प्रावधान :
(i) परिसीमाकाल (अध्याय XXXVI)
(ii) अनियमित कार्यवाहियां (अध्याय XXXV)
(iii) एक बार दोष मुक्ति एवं एक बार दोष सिद्धि (धारा 300)
(iv) सहअपराधी को क्षमा दान (धाराएं 306, 307, 308) एवं (v) व्यावृत्ति एवं उच्च न्यायालय अन्तर्निहित शक्तियां (धारा 482)

इकाई 5: (अ) किशोर न्याय (बालको की सुरक्षा एवं सरंक्षण) अधिनियम, 2000
परिभाषा : किशोर न्याय बोर्ड, किशोर न्याय समिति – गठन एवं कार्य, अपील एवं पुनरीक्षण, बालकों का पुर्नसंस्थापन।
(ब) अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 : परिभाषाएं, न्यायालयों की शक्तियां, प्रतिभूति एवं परिवीक्षा अधिकारी की शक्तियां

LEADING CASES **Unit No.**

l. Soma Bhai V. State of Gujarat, AIR 1975 SC 1453 2

2. Balwant Singh v. The State, AIR 1976 SC 230 3

3. Gurucharan Singh v. State of Delhi, A1R 1978 SC 179 2 4.

Sanjay Gandhi and others v. Union of India and others,

AIR 1978 SC 5192 2

5. Amarnath v. State of Haryana, AIR 1971 SC 2185 2

6. Bal Chand Jain v. State of M. P., AIR 1977 SC 356 2

7. Vijay ManoharArbot v. Keshav Rao,AIR 1987 SC 1100

8. D.K. Basu v. State of W.B. AIR 1997 SC 610 4

9. Hussain Ara Khatoon v. Home Secretary

State of Bihar, AIR 1997 SC 1369 4

BOOKS RECOMMENDED

Ratanlal : Code of Criminal Procedure

Sexena R.N. : Criminal Procedure Code,

Kelker R.V. : Outlines of Criminal Procedure Code

वावेल वसंतीलाल : दंड प्रक्रिया संहिता गोयल गुलाबचंद : दंड प्रक्रिया

संहिता जैन प्रकाश चंद : दंड प्रक्रिया संहिता चतुर्वेदी मुरलीधर : दंड प्रक्रिया संहिता

PAPER IV
FAMILY LAW II (MOHAMMEDAN LAW)

Note: (i) The syllabus has been divided into five units. Questions will be set from each unit with provision for internal choice.

(ii) In order to ensure that students do not leave out important portions of the syllabus, examiners shall be free to repeat the questions set in the previous examination.

(iii) Leading cases prescribed under this paper may be read under the respective unit No. shown against each case.

(iv) In the case of discrepancies between English and Hindi Version, English Version will, prevail.

Unit 1: Mohammedan Law; Origin, Development, Sources, Schools, Application, Interpretation and Conversion Marriage : Nature of marriage, Essentials of marriage,

Khyar-ul-bulug, Iddat, Khilwat-us-sahi, Matrimonial Stipulations, Kinds of marriage and effects of marriage

Unit 2: Mahar : Meaning and nature of Mahar (dower), kinds, objects and subject matter of dower, wife's rights on non-payment of Mahar, Guardianship : Appointment of guardian, Kinds of guardianship Dissolution of marriage : Talaq, Ila, Zihar, Talaqetafweez, Mubarat, Khula, Lian, Faskh, Section 2 of the Dissolution of Muslim Marriage Act, 1939; Legal effects of divorce

Unit 3 : Pre-emption : Meaning and nature of Haq Shufa (Preemption), classification of preemption, Right of pre-emption when conflict of law, subject matter and formalities of pre-emption, Legal effect of pre-emption, Devices for evading pre-emption, Gift : Meaning of gift (Hiba), Requisites of gift, Gift of Musha, conditional and future gift, Life Interest Hiba-bil ewaj, Hiba-ba-shart-ul-ewaj

Unit 4 : Will : Competence of testator and legatee, valid subject of will, testamentary limitation, Formalities of a will and Abatement of legacy

Legitimacy and acknowledgement : Legitimacy and legitimation. Presumption of legitimacy under Muslim Law and Section 112 of the Indian Evidence Act, Conditions of valid acknowledgment

Maintenance : Persons entitled to Maintenance, Principles of maintenance. The Muslim Women (Protection of Rights on Divorce) Act, 1986

Death-Bed-Transactions: Meaning and effect of Marjulmaut

Unit 5 : Wakf : Meaning and essential of a Wakf, Beneficiaries of Wakf, the Wakf Validating Act, 1913, Formalities for creation of Wakf of Musha, kinds of Wakf, Muslim religious institutions and offices, Administration of Wakfs

Inheritance: General Principles of law of inheritance, Doctrines ofAul and Radd under Hanafi and Shia Law **चतुर्थ प्रश्न–पत्र पारिवारिक**

विधि–II (मुस्लिम विधि)

टिप्पणी : (1) पाठ्यक्रम को पांच इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में से आन्तरिक विकल्प (Internal Choice) के साथ प्रश्न पूछे जाएगे।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रम के महत्वूपर्ण अंशों को छोड़ न दे, परीक्षक पूर्व वर्ष की परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।

(3) इस प्रश्नपत्र में विहित निदेशक वाद उसी इकाई के अन्तर्गत समझे जाऐंगे जिनका क्रमांक उनके आगे प्रदर्शित है।

(4) अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद में विरोधाभास होने पर अंग्रेजी अनुवाद अधिमान्य होगा।

इकाई 1: मुस्लिम विधि : उद्गम, विकास, स्रोत, शाखाएं, लागू होना, व्याख्या एवं संपरिवर्तन। विवाह : विवाह की प्रकृति, विवाह के आवश्यक तत्व, ख्यारः–उल–बुलुग, इद्दत, खिलवत–उल–सही, वैवाहिक शर्तें, विवाह के प्रकार एवं विवाह के प्रभाव।

इकाई 2: मेहर : मेहर का अर्थ एवं प्रकृति ;क्वमतद्ध, प्रकार, मेहर का उद्धेश्य, विषय वस्तु, मेहर के भुगतान न होने पर पत्नि के अधिकार, संरक्षकता के प्रकार, विवाह का विघटन : तलाक, इला, जिहार, तलाक–ए–तफवीज, मुबारत, खुला, लियान, फस्क, मुस्लिम विवाह अधिनियम 1939 की धारा 2, विवाह विच्छेद के विधिक प्रभाव।

इकाई 3: हकशुफा : हकशुफा का अर्थ एवं पकृति, हकशुफा का वर्गीकरण, विधि के संघर्ष की स्थिति में हकशुफा का अधिकार, हकशुफा की विषय वस्तु एवं औपचारिकताएं, हकशुफा के विधिक प्रभाव, हकशुफा से बचने के तरीके, दान : दान का अर्थ (हिबा), दान की आवश्यकताएं, मुशा का दान, सशर्त एवं भावी दान, जीवन हित, हिबा–बिल–एवज, हिबा–बा–शर्त–उल–एवज

इकाई 4: वसीयत : वसीयत कर्ता एवं वसीयती की सक्षमता, वसीयत की वैध विषय वस्तु, वसीयती सीमाएं, वसीयत की औपचारिकताएं एवं वसीयत की समाप्ति।

वैधता एवं अभिस्वीकृति : वैधता और वैधकरण, मुस्लिम विधि के अन्तर्गत वैधता की उपधारण एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 112, वैध अभिस्वीकृत की आवश्यकता शर्तें।

भरण–पोषण : वे व्यक्ति जो भरण पोषण के हकदार है, भरण पोषण के सिद्धान्त, मुस्लिम महिला (विवाह विच्छेद पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986

मृत्यु–शय्या संव्यवहार : मर्ज–उल–मौत का अर्थ एवं प्रभाव।

इकाई 5: वक्फ : अर्थ एवं वक्फ की अपेक्षाएं, वक्फ के हिताधिकारी, वक्फ वैघता अधिनियम, 1913, मुशा के वक्फ का निर्माण करने के लिए औपचारिकतएं, वक्फ के प्रकार, मुस्लिम धार्मिक संस्थाएं एवं पद वक्फ का प्रशासन।

उत्तराधिकार : उत्तराधिकार विधि के सामान्य सिद्धान्त, हनाफी और शिया विधि में ऑल और रद्ध के सिद्धान्त।

LEADINGS CASES		**Unit No.**
1.	Anisa Begam v. Muhammed Istafa, (1933) 55 All 743	1
2.	Maina Bibi v. Choudhary Vakil Ahmed, (1923) 52 IA 145	2
3.	Imambadi v. Mustaddi, (1918)45IA 73	3
4.	HabiburRahmanv.AltafAli(1921)48IA114	4
5.	Moonshee Buzul-ul-Rehman v. Luteefutain Nissa, (1861) 8 MIA 370	2
6.	Govind Dayal v. Inayatullah (1885) All 775	3

7. Abu Fata v. Ressomoy Dhur Chowdhary (1894) 22 IA 76 5

8. Mohd. Ahmed Khan v. Shah Bano Begum.

A IR 1985 SC 945 4

BOOKS RECOMMENDED

Faize : Mohammedan Law

Mulla: Principles of Mohammedan Law

Verma, B.R. : Islamic Law

Aquil Ahmed : Mohammedan Law

PAPER V

ADMINISTRATIVE LAW

Note: (i) The syllabus has been divided into five units. Questions will be set from each unit with provision for internal choice.

(ii) In order to ensure that students do not leave out important portions of the syllabus, examiners shall be free to repeat the questions set in the previous examination.

(iii) Leading cases prescribed under this paper may be read under the respective unit No. shown against each case.

(iv) In the case of discrepancies between English and Hindi Version, English Version will prevail.

Unit 1 : Definition, Nature, Scope, Rule of Law, Separation of powers, Relationship between Administrative Law and Constitutional Law, Sources of Administrative Law, Government Administrative Authorities and Bodies, the Extent of Executive power, Administrative Finality and the Court Review

Unit 2: Delegated Legislation : Nature, Scope, Forms, Necessity, Control including Judicial, Parliamentary and Legislative. Conditional Legislation and Subdelegation, Henry VIII Clause

Unit 3: Principles of Natural Justice and their Control, Doctrine of Bias, Audi Alteram Partem, Right to Consult, Reasoned Decision

Administrative Adjudication : Reasons for growth, Structure and procedure of Administrative Bodies like Tribunals; Finality of the Tribunal decision

Unit 4: Judicial Control of Administrative Action : Habeas Corpus, Mandamus, Certiorari, Prohibition and QuoWarranto writs. Redressal of Citizens Grievances, Central Vigilance Commission, Commission of Enquiry Act; The Right to Information Act, 2005

Unit 5 : Government Liability in Torts and Contract, suits against the Government and Public Authorities-Ombusdman, Lokpal Lokayukta of the State of Rajasthan, Public Corporation and undertakings including their parliamentary and judicial control

पंचम

प्रश्न–पत्र

प्रशासनिक विधि

टिप्पणी : (1) पाठ्यक्रम को पांच इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में से आन्तरिक विकल्प (Internal Choice) के साथ प्रश्न पूछे जाएगे।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रम के महत्वूपर्ण अंशों को छोड़ न दे, परीक्षक पूर्व वर्ष की परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।

(3) इस प्रश्न–पत्र में विहित निदेशक वाद उसी इकाई के अन्तर्गत समझे जाऐंगे जिनका क्रमांक उनके आगे प्रदर्शित है।

(4) अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद में विरोधाभास होने पर अंग्रेजी अनुवाद अधिमान्य होगा।

इकाई 1: परिभाषा : प्रकृति एवं विस्तार, विधि का शासन, शक्ति पृथक्करण प्रशासनिक और संवैधानिक विधि में पारस्परिक सम्बन्ध, प्रशासनिक विधि के स्रोत, सरकारी प्रशासनिक प्राधिकरण एवं निकाय कार्यपालिका शक्ति का विस्तार, प्राधिकरण निर्णयों की अंतिमता एवं न्यायिक पुनर्विलोकन।

इकाई 2: प्रत्यायोजित विधायन : प्रकृति, क्षेत्र प्रकार, आवश्यकता, न्यायिक संसदीय एवं विधायी नियंत्रण, सशर्त विधायन एवं उपप्रत्यायोजन, हैनरी VIII खण्ड।

इकाई 3: प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त एवं उनका नियंत्रण, अभिनति का सिद्धांत, ऑडी आल्टरम पार्टम (दूसरे पक्ष को भी सुनो), परामर्श का अधिकार, तर्कयुक्त निर्णय।

प्रशासनिक न्याय निर्णयनः विकास के कारण, अधिकरणों की प्रकृति के प्रशासनिक निकायों का ढांचा एवं प्रक्रिया : अधिकरणों के निर्णयों की अंतिमता।

इकाई 4: प्रशासनिक कार्य का न्यायिक नियंत्रण : बन्दी प्रत्यक्षीकरण परमादेश, उत्प्रेषण, प्रतिषेध एवं अधिकारपृच्छा लेख, नागरिकों की शिकायतों का निवारण, केन्द्रीय सर्तकता आयोग, जांच आयोग अधिनियम। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005।

इकाई 5: अपकृत्य एवं संविदा में सरकार का दायित्व : सरकार एवं लोक प्राधिकारियों के विरुद्ध वाद, ओम्बड्समैन, लोकपाल, राजस्थान राज्य का लोकायुक्त, लोकनिगम एवं उपक्रम एवं उन पर संसदीय एवं न्यायायिक नियंत्रण।

LEADING CASES **Unit No.**

l. Ram Jawaya v. State of Punjab. AIR 1955 SC 539 1 2. Ratlam Municipality v. Varadhi Chand.AIR 1980 SC 1622 4

3. G. Nageshwara Rao v. A, P. Road Tr. Com. AIR 1959 SC 308 3
4. Gwalior Rayon v. Assistant Commissioner of Sales Tax. AIR 1974 SC 1660 2
5. Shyam Sunder v. State of Rajasthan. AIR 1974 SC 890
6. Bhikraj Jaipuria v. Union of India, AIR 1962 SC 133 5

BOOKS RECOMMENDED

Joshi, K.C. : Administrative Law

Kagzi & Jain, M.C. : The Administrative Law
Massey : Administrative Law Jain &
Jain : Administrative Law Kesari,
U.P.D. : Administrative Law .
केसरी यू.पी.डी. : प्रशासनिक विधि जोशी
के.सी. प्रशासनिक विधि

PAPER VI

COMPANY LAW

Note: (i) The syllabus has been divided into five units. Questions will be set from each unit with provision for internal choice.

(ii) In order to ensure that students do not leave out important portions of the syllabus, examiners shall be free to repeat the questions set in the previous examination.

(iii) Leading cases prescribed under this paper may be read under the respective unit No. shown against each case.

(v) In the case of discrepancies between English and Hindi Version, English Version will prevail.

Unit 1 : Definition of company, kinds of company, Corporate personality formation of company, Lifting the corporate veil

Unit 2 : The Memorandum of Association and Article of Association, Objective clause, doctrine of Ultra Vires and Doctrine of Indoor Management

Unit 3: Promoters and preliminary Contract, Prospectus, Share Capital, shares, Members and shareholders, Debentures, Directors and borrowings

Unit4 : Majority power and minority rights:

Prevention of Oppression and Mismanagement, Amalgamation and reconstruction, Meetings of company

Unit 5 : Winding up and Dissolution :Types of winding up, winding up by Court, voluntary winding up, compulsory winding up Negotiable Instrument Act, 1881: essential features Promissory note, Bill of Exchange Inchoate stamped, cheque, Dishonour of cheque.

षष्ठम प्रश्न–पत्र कम्पनी विधि

टिप्पणी : (1) पाठ्यक्रम को पांच इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में से आन्तरिक विकल्प (Internal Choice) के साथ प्रश्न पूछे जाएगे।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रम के महत्वूपर्ण अंशों को छोड़ न दे, परीक्षक पूर्व वर्ष की परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।

(3) इस प्रश्न–पत्र में विहित निदेशक वाद उसी इकाई के अन्तर्गत समझे जाऐंगे जिनका क्रमांक उनके आगे प्रदर्शित है।

(4) अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद में विरोधाभास होने पर अंग्रेजी अनुवाद अधिमान्य होगा।

इकाई 1: कम्पनी की परिभाषा, कम्पनी के प्रकार, निगमित व्यक्तित्व, कम्पनी का गठन, निगमन के पर्दे को उठाया जाना, पंजीकरण एवं निगमन।

इकाई 2: संगम ज्ञापन एवं संगम अनुच्छेद, उद्धेश्य खण्ड, अधिकारातीत का सिद्धांत एवं अन्तर्प्रबन्ध का सिद्धांत।

इकाई 3: प्रवर्तक एवं प्रारम्भिक अनुबंध, विवरण पत्र, अंश पूंजी, अंश, सदस्यगण एवं अंशधारी, ऋण पत्र, निदेशक एवं लेनदारी।

इकाई 4: बहुमत शक्ति एवं अल्पमत अधिकार : दबाव एवं दुष्प्रबंधन का निवारण, एकीकरण एवं पुनर्गठन : कम्पनी की सभाएं।

इकाई 5: समापन एवं विघटन : समापन के प्रकार, न्यायालय द्वारा समापन, स्वैच्छिक समापन, अनिवार्य समापन। पराक्रम्य लिखत अधिनियम 1881, आवश्यक विशेषताएं, वचन पत्र, विनिमय पत्र, अपर्याप्त मुद्रांक, अनादरित चैक।

LEADINGS CASES

1. Avon Soloman v. Soloman Co. Ltd., (1897) AC 22 1
2. Laxmi Swami Mudaliar v. LIC, AIR 1963 SC 1185 1
3. Royal British Bank v. Turquand (1856) 6 E & B 327 1
4. Ramkrishna Dass Dhanuka v. Satya Charan, AIR 1950 PC 51 2 5. Tata Engineering and Locomotive Co. Ltd. v. State of Bihar, AIR, 1965 SC 10 1
6. Bajaj Auto Ltd., Poona v. N.K. Firodia, AIR 1971 SC 321 2

BOOKS RECOMMENDED

Shah S.M. : Lectures on Company Law

Avtar Singh : Company Law

Sen, G.M. : Company Law. Cases and Materials Indian Partnership Act, 1932

Sanghal P.S. : National and Multinational Companies : Some Legal Issues अवतार सिंह : कम्पनी विधि

नवीन माथुर, नरेश सहल, आर.आर. लोढा : कम्पनी अधिनियम एवं सचिवीय पद्धति

पराजपे, मा.वि.: कम्पनी विधि राय कैलाश : कम्पनी विधि

LL.B. PART-II

PAPER VII
LABOUR LAWS

Note: (i) The syllabus has been divided into five units. Questions will be set from each unit with provision for internal choice.

(ii) In order to ensure that students do not leave out important portions of the syllabus, Examiners shall be free to repeat the questions set in the previous examination.

(iii) Leading cases prescribed under this paper may be read under the respective unit No. shown against each case.

(iv) In the case of discrepancies between English and Hindi Version, English Version will prevail.

ACTS FOR STUDY

1. The Industrial Disputes Act, 1947, (Unit 1 and 2)
2. The Trade Unions Act, 1926, (Unit 3)
3. The Factories Aet, 1948, (Unit4)
4. The Minimum Wages Act, 1948, (Unit 5)

THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

Unit l : Historical Development of industrial Disputes legislation in India; Various modes of settlement of disputes Objects and Reason, Scope and Definitions of important terms, Authorities under this Act

Reference of Disputes to Boards, Courts or Tribunals, Procedure, powers and Duties of Authorities

Unit 2 : Strike and Lock-out, Lay-off and Retrenchment, Special Provision Relating to Lay-off, Retrenchment and Closure in certain establishments, Change in condition of service during tendency of dispute, unfair labour practices

THE TRADE UNIONS ACT, 1926

Unit3: Trade Union Movement in India-Aims and Object-Extent and commencement of the Trade Unions Act, 1926, Definition and nature of Trade Union

Registration of Trade Unions : Rights and Liabilities of Registered Trade Unions, Recognition to Trade Unions, Dissolution, Collective Bargaining

THE FACTORIES ACT 1948

Unit 4 : History of Factory Legislation : Objects and Reasons-Scope and applicabilityDefinitions of some Important terms The Inspecting Staff : Health, Safety, Welfare Provisions working hours for Adults, Employment of Young persons, Annual Leave with Wages

THE MINIMUM WAGERS ACT, 1948

Unit 5 : Concept of Wages, particularly, Minimum Fair and Living wages, Aims and Objects of the Minimum Wages Act. Application, Fixation and revision of minimum rates of wages, Adjudication of claims relating to Minimum wages and Miscellaneous

provisions. Payment of Wages Act 1936 : Aims, Objective and Scope ; Definitions Wage period, Wage payment and Deductions under the Act

सप्तम

प्रश्न–पत्र

श्रम विधि

टिप्पणी : (1) पाठ्यक्रम को पांच इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में से आन्तरिक विकल्प (Internal Choice) के साथ प्रश्न पूछे जाएगे।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रम के महत्वूपर्ण अंशों को छोड़ न दे, परीक्षक पूर्व वर्ष की परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।

(3) इस प्रश्न–पत्र में विहित निदेशक वाद उसी इकाई के अन्तर्गत समझे जाऐंगे जिनका क्रमांक उनके आगे प्रदर्शित है।

(4) अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद में विरोधाभास होने पर अंग्रेजी अनुवाद अधिमान्य होगा।

अध्ययन के लिए अधिनियम

1. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, (इकाई 1 एवं 2)
2. व्यावसायिक संघ अधिनियम, 1926, (इकाई 3)
3. कारखाना अधिनियम, 1948, (इकाई 4)
4. न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948, (इकाई 5)

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

इकाई 1: औद्योगिक विवाद विधायन का भारत में इतिहास एवं विकास, विवादों के निपटारे के विभिन्न तरीके, उद्धेश्य एवं कारण, महत्वपूर्ण पदों की परिभाषाएं, इस अधिनियम के अन्तर्गत प्राधिकारी।

बोर्ड को न्यायालय को एवं अधिकरणों को विवादों का निर्देश, प्रक्रिया, प्राधिकारियों की शक्तियां एवं कर्तव्य।

इकाई 2: हड़ताल एवं तालाबन्दी, कामबन्दी एवं छंटनी, कामबन्दी के सम्बन्ध में विशेष प्रावधान, कतिपय निकायों में छंटनी एवं बन्दी, विवाद के लम्बित रहने के दौरान सेवा शर्तों में परिवर्तन, अनुचित श्रम व्यवहार।

व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926

इकाई 3: भारत में व्यावसायिक संघ आन्दोलन–लक्ष्य एवं उद्धेश्य, व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 का विस्तार एवं प्रारम्भ, व्यवसाय, संघकी परिभाषा एवं प्रकृति।

व्यवसाय संघों का पंजीकरण : पंजीकृत व्यवसाय संघों के अधिकार एवं दायित्व, व्यवसाय संघों को मान्यता, विघटन, सामूहिक सौदेबाजी।

कारखाना अधिनियम, 1948

इकाई 4: कारखाना अधिनियम का इतिहास : उद्धेश्य एवं कारण – क्षेत्र एवं लागू होना – कुछ महत्वपूर्ण शब्दों की परिभाषा।

निरीक्षण कर्मचारी वृन्द : स्वास्थ्य, सुरक्षा, कल्याण संबंधी प्रावधान व्यस्कों के लिए काम के घंटे – युवा व्यक्तियों के लिए नियोजन, मजदूरी सहित वार्षिक अवकाश।

न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948

इकाई 5: मजदूरी की अवधारणा, विशेष रूप से न्यूनतम, उचित एवं निर्वाह मजदूरी, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के उद्धेश्य एवं लक्ष्य; लागू होना, मजदूरी की न्यूनतम दरों का निर्धारण एवं पुनर्निर्धारण, न्यूनतम मजदूरी से सम्बन्धित दावों का न्याय निर्णयन एवं विविध प्रावधान।

LEADING CASES — Unit No.

1. In Re Inland Steam Navigation Co.,AIR 1936 Cal. 57 — 3
2. People's Union for Democratic Rights v. Union of India, AIR 1982 SC 1473 — 5

3.	Dalmia Cement Co. Ltd. v. Anandji, AIR 1939 Sind, 236		3
4.	Jai Engineering Works v. State of West Bengal, AIR 1968 Cal. 407		2
5.	Bangalore Water Supply and Sewerage Board v. A. Rajaapp a and others, AIR 1978 SC 548	1	
6.	Western Indian Automobile Association v. State of Bombay, 1950 LLJ 589 :(1949) FCR 321		1
7.	Birdhi Chand Sharma v. Civil Judge, Nagpur, AIR 1961 SC 644	4	
8.	Alembic Chemical Works v. Workmen, AIR 1961 SC 647		4
9.	Express Newspapers Ltd. v. Union of India, AIR 1958 SC 576		5
10.	Bidi Leaves and Tobacco Merchants Association v. State of Bombay, AIR 1962 SC 486		4

BOOKS RECOMMENDED

Indian Law Institute : Law and Labour Management Relations in India
Giri, V.V.: Labour Problems in Industry
Malik, P.L. : Industrial Law (6th Ed.)
Dhingra, L.C. : Labour Law
Goswami, VG.: Labour and Industrial Law
मिश्रा एस.एन.: श्रम और औद्योगिक विधि शर्मा
गंगा सहायः श्रमिक विधियां

PAPER VIII (a)

OPTIONAL PAPER
LAW OF TAXATION

(INCOME TAX AND WEALTH TAX)

Note: (i) The syllabus has been divided into five units. Questions will be set from each unit with provision for internal choice.

(ii) In order to ensure that students do not leave out important portions of the syllabus, examiners shall be free to repeat the questions set in the previous examination.

(iii) Leading cases prescribed under this paper may be read under respective Unit No. shown against each case.

(iv) In the case of discrepancies between English and Hindi Version, English Version will prevail.

INCOME TAX ACT

Unit 1: Basic concept : Assessment year, Previous year, Person, Assessee, Income , Agricultural Income, Casual Income, Capital Asset, Charitable purpose, Total Income, Gross Total Income, step system and slab system, Capital and Revenue, Avoidance of tax and tax evasion, Income tax authorities. Residential; status and Tax Incidence - Exemptions and deductions of Income

Unit 2 : Income under the Head `Salaries' Income from House Property, Income of other persons included in Assessee's Total income

Unit 3 : Profits and Gains of Business or Profession, Depreciation allowance, Capital Gains, Income from other sources, Set off and carry forward of losses

Unit 4 : Return of Income, Assessment and Re-assessment, Assessment of Firms and Partners and Penalties offences and prosecution under this Act, Appeal and revision

WEALTH TAX ACT

Unit 5 : Valuation date, Net Wealth, Incidence of Tax, Assets, Assets exempted from Tax Return of Wealth, Assessment, Time limit for completion of assessment

अष्टम प्रश्न–पत्र (अ) कराधान

विधि

(आयकर एवं धन कर)

टिप्पणी : (1) पाठ्यक्रम को पांच इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में से आन्तरिक विकल्प (Internal Choice) के साथ प्रश्न पूछे जाएगे।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रम के महत्वूपर्ण अंशों को छोड़ न दे, परीक्षक पूर्व वर्ष की परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।

(3) इस प्रश्न–पत्र में विहित निदेशक वाद उसी इकाई के अन्तर्गत समझे जाऐंगे जिनका क्रमांक उनके आगे प्रदर्शित है।

(4) अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद में विरोधाभास होने पर अंग्रेजी अनुवाद अधिमान्य होगा।

आयकर अधिनियम

इकाई 1: मूल अवधारणाएं : निर्धारण वर्ष, पूर्व वर्ष, व्यक्ति, करदाता, आय, कृषि आय आकस्मिक आय, पूंजी सम्पदा, परोपकारी प्रयोजन, कुल आय, कुल सकल आय, चरण पद्धति एवं भाग पद्धति, पूंजी एवं राजस्व, कर चोरी एवं कर से बचना, आयकर प्राधिकारी, निवासिता एवं कर, छूट एवं आय की कटौती।

इकाई 2: 'वेतन' शीर्षक के अन्तर्गत आय–गृह सम्पति से आय, कर दाता की कुल आय में सम्मिलित होने वाले अन्य व्यक्तियों की आय।

इकाई 3: व्यापार एवं पेशे से लाभ एवं प्राप्ति, ह्रास भत्ते, पूंजीगत लाभ, अन्य स्रोतों के आय, समायोजन एवं हानि को आगे ले जाना।

इकाई 4: आय की विवरणिका, निर्धारण एवं पुनर्निर्धारण, फर्म एवं भागीदारों का निर्धारण इस अधिनियम के अन्तर्गत शास्ति, अपील एवं पुनरीक्षण।

धन कर अधिनियम

इकाई 5: मूल्यांकन तिथि, कुल धन, कर के अनुषंग, सम्पति कर से मुक्त सम्पति, धन की विवरणिका, निर्धारण, निर्धारण पूरा किये जाने के लिए समय की सीमा।

LEADING CASES **Unit No.**

1. CIT West Bengal v. Benoy Kumar Saha Roy, AIR 1957 SC 768 1

2.	Pingle Industries Ltd. v. CIT, AIR 1960 SC 1034	3	3.
	P. Krishna Menon v. CIT, AIR 1956 SC 75	3	
4.	MalaRam & Sons v. CITAIR 1956 SC 367	3	
5.	Banaras Cloth Dealers Syndicate v. ITO Banaras, (1964) ITR 507	3	
6.	Kala Khan Mohammed Haniff v. CIT, 50 ITR 1	3	
7.	CIT v. Kothari, (1963) 40 ITR 107 (SC)	3	

BOOKS RECOMMENDED

Bhattacharyan, S.: Income Tax Act Acts amended up-to-date Lakhotia, R.N. : Indian Income Tax Law and Practice and Practice of Income Tax in India

Saxena,A.K. : Law on Income Tax in India

Aiyer, AN: Indian Wealth Tax Act

Gaur, K.D. : Tax Offences, Black Money and Law

PAPER VIII (b)

CRIMINOLOGY, PENOLOGY AND VICTIMOLOGY

Note: (i) The syllabus has been divided into five units. Questions will be set from each unit with provision for internal choice.

(ii) In order to ensure that students do not leave out important portions of the syllabus, examiners shall be free to repeat the questions set in the previous examination.

(iii) In the case of discrepancies between English and Hindi Version, English Version will prevail.

Unit 1 : Criminology : Definition, Nature and Scope, Methods of studying criminal behaviour, Importance of Criminology Crime : Definition and Nature, classification of crime, organised and professional crime

Unit 2 : Schools of Criminological Thoughts:

1. Ancient School
2. Classical School
3. Cartographical or Ecological School
4. Socialistic School
5. Typological School
6. Sociological School
7. Multifactor School

Unit 3 : Control of Crime : Police and Law Courts, Prison system, Resocialisation of the offender, Prevention of crime delinquency, Alcoholism and Drugs. Influence of mass media

Unit4: Definition of punishment. Relationship between criminology and penology, History of punishment. Kinds of Punishment, White collar criminals, Female offenders, Juvenile Delinquent and adolescent offenders

Unit5: Victimology :

(i) Definition and types of the victim.

(ii) Persons vulnerable to victimization 1.Elderly, 2. Children, 3. Female.

(iii) Compensation to victims.

(iv) Judicial activism and victims. (v) Devictimization and UN charter.

अष्टम

प्रश्न–पत्र (ब)

अपराध शास्त्र, दण्ड शास्त्र एवं आहत शास्त्र

टिप्पणी : (1) पाठ्यक्रम को पांच इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में से आन्तरिक विकल्प (Internal Choice) के साथ प्रश्न पूछे जाएगे।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रम के महत्वूपर्ण अंशों को छोड़ न दे, परीक्षक पूर्व वर्ष की परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।

(3) अंग्रेजी एवं हिन्दी अनुवाद में विरोधाभास होने पर अंग्रेजी अनुवाद अधिमान्य होगा।

इकाई 1: अपराध शास्त्र : परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र, आपराधिक व्यवहार के अध्ययन के तरीके, अपराध शास्त्र का महत्व। अपराध : प्रकृति एवं परिभाषा, अपराध का वर्गीकरण, संगठित एवं व्यवसायिक अपराध।

इकाई 2: आपराधिक विचार की शाखाएं

1. प्राचीन शाखा
2. शास्त्रीय शाखा
3. केटोग्राफिकल या इकोलोजिकल शाखा
4. समाजवादी शाखा
5. टाईपोलोजिकल शाखा
6. समाजशास्त्रीय शाखा
7. बहु तत्व शाखा

इकाई 3: अपराध का नियंत्रण : पुलिस एवं विधि के न्यायालय, जेल व्यवस्था, दोष कर्ता का पुनर्समाजीकरण, अपराध एवं विचलित व्यवहार का निवारण, मदिरापान एवं ड्रग्स, मास मिडिया का प्रभाव।

इकाई 4: दण्ड की परिभाषा : अपराध शास्त्र और दण्ड शास्त्र में सम्बन्ध, दण्ड का इतिहास, दण्ड के प्रकार, सफेदपोश अपराधी, महिला अपराधी, बाल अपराधी एवं किशोर अपराधी।

इकाई 5: आहत शास्त्र :

1. आहत की परिभाषा एवं प्रकार
2. आहतकरण के सुगम व्यक्ति अ.वृद्ध, ब. बालक, स. महिला
3. आहत की क्षतिपूर्ति
4. न्यायिक सक्रियता एवं आहत
5. आहत निवारण एवं संयुक्त राष्ट्र संघ का घोषणा पत्र

SUGGESTED READINGS

Barnes, H.B. and Tectors : New Horizons in Criminology

Vold, G.S. : Theoretical Criminology
Pillai, K.S. : Criminology
R. Teft, Donald: Criminology
Edwin, H. Sutherland and Donald R. Grussey : Principles of Criminology
Horman Mannhaim : Pioneers in Crimmology
Hon-Barren, Mays: Crime and the Social Structures
Ahmed Siddiqui : Criminology-Problems and Perspectives
Lord Pakenham : Causes of Crime
S. Venugopala Rao : Facts of Crime in India
Komm, R.R. and Mogorble : Law-Criminology and Penology Grunhut : Criminal Justice and Reconstruction
Madolm : Criminal Justice and Reconstruction
Gorden Rose: The Struggle for Penal Reform
LL.T. : Essays on Indian Penal Code
Ben-Penology: Old and New-Tagore Law Lectures
Clict : Conflicting Penal Theories in Statutrory Criminal Law
Shamsul Huda : Tagore Law Lectures on Criminal Law
Lawburse : Crime, Its Causes and Remedies
Dequires : Modern Theories of Criminology
Gillin : Criminology and Penology
Beccaria : Crime and Punishment
The Criminal Procedure Code
The Constitution of India

PAPER VIII (c)

BANKING LAW AND NEGOTIABLE INSTRUMENT ACT

Note: (i) The syllabus has been divided into five units. Questions will be set from each unit with provisions for internal choice.

(ii) In order to ensure that students do not leave out important portions of the syllabus, examiners shall be free to repeat the questions set in the previous examination.

(iii) Leading cases prescribed under this paper may be read under the respective unit No. shown against each case.

(iv) In the case of discrepancies between English and Hindi Version, English Version will prevail.

Unit 1: Banking Regulation Act, 1949 : Business of Banking Companies, control over management : prohibition of certain activities in relation to banking companies, Acquisition of the undertaking of Banking Companies in certain cases, Suspension of Business and winding up of Banking Companies, Special provision for speedy disposal of winding up proceedings. Miscellaneous, Application of the Act to the cooperative societies

Unit 2 : State Bank of India Act, 1955 : Definitions, Incorporation and share capital of State Bank, Shares, Management. Business and Miscellaneous, State Bank of India (Subsidiary Bank) Act, 1959-Definitions, Constitution of New Banks and change of name of any subsidiary Bank, Compensation, Shares, Management; Business,
Inspection

Unit 3 : Regional Rural Banks Act, 1976: Definitions, Incorporation and capital of Regional Rural Banks, management, Business, Powers of Central Government, National Bank for Agriculture and Rural Development Act. 1981 : Definitions, Establishment of NABARD, Management, Transfer of Business, Borrowing Credit and other function. Funds, protection of action indemnity to directors and penalties

Unit 4: Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 : Definitions, Transfers of the Undertaking of existing Banks, Payment of
Compensation, Management of corresponding New Banks, Indemnity, Dissolution
The Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 : Definitions,
Establishment, Acquisition and Transfer of the undertaking of the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Management of Reconstruction Bank; special Powers of the Reconstruction Bank

Unit 5: Negotiable Instruments Act, 1881 : Object, Definitions, parties to notes. Bills and cheques; Negotiations of Instruments : Presentment. Discharge from liability on Notices Bills and cheques, Dishonour and Notice of dishonour, Reasonable time for Notice, notice and protest, Acceptance and payment for honour and references; compensation; Rules of Evidence; Provisions regarding crossed cheques, Bills in sets; International Law governing instrument

LEADING CASES

1. Bhawanipore Banking Corpn. v. Gauri Shanker Sharma, AIR 1950 SC 6
2. The Bharat Bank Ltd. Delhi v. The Employees of Bharat Bank Ltd., and the Bharat Bank Employees Union, AI R 1950 SC 18
3. V. Ramaswami Aiyanger & Other v. LN.V. Kailash Thevar, AIR 1951 SC 189
4. Mahaveer Prasad Bubna v, Union Bank of India, AIR 1922., Cal., 270
5. Narayandas Bhargandas Patni v. Union of India, 1993 Mah., L.J. 1299

SUGGESTED READINGS

Jagdishlal : Banking RegulationAct,1949

Sethi, R.B. : Banking Regulation Act, 1949

Tokhri, M.R. & Sharma, D.P. : Rural Banking in India, 1475 Maheshwari S.N. : Banking Law and Practice

State Bank of India Act, 1955

State Bank of India (Subsidiary Bank) Act, 1959 Regional Rural Bank Act, 1976

National Bank for Agriculture & Rural Development Act, 1981 Rajasthan Co-operative Societies Act, 1965

Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970 and 1980

Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1964

Kulshrestha, V.D. : Government Regulation of Financial Management of Private Corporate Sector in India

Khegamvala, T.S : The Negotiable Instruments Act, 1981

PAPER VIII (d)

INFORMATION TECHNOLOGY LAW

अष्ठम् प्रश्न

पत्र (द) सूचना एवं

प्रौद्योगिक विधि

PAPER IX

PUBLIC INTEREST LAWYERING, LEGAL AID AND PARA LEGAL SERVICES

PART A -THEORY **40 Marks**

Unit 1: Legal Aid-Meaning, Nature, Scope and Development

Unit2: (a) Legal Aid and Constitution of India

(b) Legal Services Authorities Act-Objectives, Establishment of Authorities and their powers, Eligibility for Legal Aid.

(c) Legal Aid to accused at State expenses (303-304 of the Cr. P.C.)

Unit 3 : (a) Public Interest Litigation-Meaning, Scope, Necessity, Locus-Standi

(b) Lok Adalats and their working

Unit 4: (a) Para-Legal Counselling Meaning, Necessity, Scope, Training for Para-legal services

(b) One leading case of the Supreme Court on PIL

PART B-PRACTICAL

60 Marks

i) 20 marks for attending Legal Aid Camps

ii) 20 marks for submitting a Project Report by the students on the basis of empirical/factual study of socio-economic problems of general nature, particularly of vulnerable class, and

iii) 20 marks, viva-voce examination

Note : The evaluation of project report, legal Aid Camps and Viva-voce examination will be made by two permanent regular teachers or by one permanent teacher and one local retired teacher or any permanent part time teacher or other part time teacher who fulfills eligibility criteria for lecturer as per UGC, Rules. Evaluation may be made before or after theory examination. The date of Practical examination will be notified by the Dean.

नवम

प्रश्न–पत्र

लोकहित वकालत, विधिक सहायता एवं सहविधिक सेवाएं

टिप्पणी : (1) पाठ्यक्रम को पांच इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में से आन्तरिक विकल्प (Internal Choice) के साथ प्रश्न पूछे जाएगे।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थी पाठ्यक्रम के महत्वूपर्ण अंशों को छोड़ न दे, परीक्षक पूर्व वर्ष की परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को दोहराने के लिए स्वतंत्र होंगे।

भाग 'अ' (सैद्धान्तिक) **40 अंक**

इकाई 1: विधिक सहायता : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं विस्तार।

इकाई 2: (अ) विधिक सहायता एवं भारत का संविधान

(ब) विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, – उद्धेश्य, प्राधिकारियों की स्थापना एवं उनकी शक्तियां, विधिक सहायता के लिए पात्रता।

(स) राज्य के खर्चे पर अभियुक्त को विधिक सहायता (दण्ड प्रक्रिया संहिता की धाराएं 303–304)।

इकाई 3: (अ) लोक हित वकालत : अर्थ, क्षेत्र, आवश्यकता, वाद लाने का अधिकार (लोकस स्टेण्डी)

(ब) लोक अदालतें एवं उनकी कार्यप्रणाली।

इकाई 4: (अ) सहविधिक सलाह : अर्थ आवश्यकता, क्षेत्र सहविधिक सेवाओं के लिए प्रशिक्षण।

(ब) लोकहित वाद से सम्बन्धित सर्वोच्च न्यायालय का एक निदर्शक वाद।

भाग (ब)

प्रायोगिक

60 अंक

(i) विधिक सेवा शिविर में उपस्थिति 20 अंक

(ii) प्रोजेक्ट रिपोर्ट जो सामान्य प्रकृति की सामाजिक–आर्थिक समस्या विशेष रूप से जो पिछडे हुए वर्गों से सम्बन्धित होगी 20 अंक

(iii) मौखिक परीक्षा 20 अंक

टिप्पणी : प्रोजेक्ट रिपोर्ट विधिक सेवा कैम्प एवं मौखिक परीक्षा का मूल्यांकन दो स्थायी नियमित शिक्षकों द्वारा एक स्थायी एवं एक स्थानीय सेवानिवृत्त शिक्षक द्वारा या किसी स्थायी अंशकालीन शिक्षक द्वारा किया जायेगा जो यू.जी.सी. नियमों के अनुसार व्याख्याता होने की पात्रता रखता है। मूल्यांकन सैद्धान्तिक परीक्षा के पूर्व अथवा पश्चात् किया जा सकता है प्रायोगिक परीक्षा की सूचना अधिष्ठाता द्वारा दी जाएगी।